**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**06.03.2020 के**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 1884 का उत्‍तर**

**रेलवे पर बिना किसी लागत के आधार पर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास**

**1884. डा॰ अमर पटनायकः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) रेलवे स्टेशनों की पुनर्विकास परियोजना को ‘‘रेलवे पर बिना किसी लागत’’ के आधार पर बनाए जाने के क्या कारण हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार ने यह स्वीकार किया है कि सभी रेलवे स्टेशनों में व्यावसायिक अवसरों को समान रूप से वितरित नहीं किया जाता है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार ने इस प्रकार के परियोजना विकास मॉडल में क्षेत्रीय असमानता की समस्या को स्वीकार किया है?

**उत्‍तर**

**रेल और वाणिज्‍य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*

रेलवे पर बिना किसी लागत के आधार पर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास के संबंध में 06.03.2020 को राज्‍य सभा में डा॰ अमर पटनायक के अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1884 के भाग (क) से (ग) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण।**

(क): स्टेशनों के आस-पास खाली भूमि और वायु क्षेत्र की भू-संपदा संभाव्यता का उपयोग करके स्टेशनों का पुनर्विकास करने की योजना बनाई जाती है। रेलवे का प्रयास है कि आम तौर पर रेलवे द्वारा बिना किसी लागत वहन के स्टेशनों को विकसित किया जाए।

(ख) स्टेशनों में और उनके आस-पास भूखंडों की वाणिज्यिक संभाव्यता प्रत्येक क्षेत्र में भू-संपदा संबंधी मांग, बाजार की गतिविधियों, भूखंडों के आकार, शहर के बुनियादी ढांचे, प्रत्येक इलाके में प्रचलित सामाजिक-आर्थिक स्थितियों आदि पर निर्भर करती है। अतः रेलवे स्टेशनों की भू-संपदा संभाव्यता स्थान-दर-स्थान भिन्न-भिन्न होती हैं।

(ग): रेलवे देश भर के स्टेशनों का तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन करती है। इन व्यवहार्यता अध्ययनों के परिणाम के आधार पर पुनर्विकास के लिए स्टेशनों का कार्य चरणों में शुरू किया जाता है। इस समय, हबीबगंज (मध्य प्रदेश), गांधीनगर (गुजरात), गोमतीनगर (उत्तर प्रदेश), अजनी (महाराष्ट्र), भुवनेश्वर (ओडिशा), चंडीगढ़ (केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़), आनंद विहार (दिल्ली) और बिजवासन (दिल्ली) स्टेशनों पर स्टेशन पुनर्विकास के कार्य शुरू हो गए हैं।

\*\*\*\*\*